man of Rs 35 crore, said Bains, claiming aims to delay the state gov-
merce that Shinde had provided the
...edition was youth at various places. Bathinda on Monday...
| Computer Lab

Dainik ~~Jagaran~~ Bhaskar 30/7/16

शिक्षा नीति के ड्राफ्ट को लेकर 30 सितंबर को देश के सांसदों के साथ होगी बैठक

देश की नई शिक्षा नीति अगले सैशन से पहले लागू की जाएगी: जावड़ेकर

मनोज जोशी | मोहाली

प्रकाश जावाडेकर

केंद्रिय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर शुक्रवार को मोहाली के इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ साइंसिस रिसर्च एंड एजूकेशन (आईसर) में समीक्षा बैठक लेने पहुंचे। इस बैठक में पुणे, कोलकता, मोहाली, भोपाल तथा तीरवअनंतपुरम के आईसर के निर्देशक तथा इंडियन साइंस संस्थान बंगलूरु के निर्देशक भी शामिल थे।

उन्होंने शिक्षा सुधारों को लेकर आईसर के छात्रों से भी निर्देशको की बैठक के बाद चर्चा की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आईसर संस्थानों को अधिक स्वायत्ता देने पर विचार कर रही है। इस बैठक का मकसद देश की नई शिक्षा नीति को तैयार करने से संबंधित था। उनके साथ केंद्रीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डॉक्टर महिंदर नाथ पांडे भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि अगले सैशन तक देश की शिक्षा नीति को लागू कर दिया जाएगा।

जावड़ेकर ने कहा कि देश की शिक्षा नीतिक को लेकर सभी के रॉय [illegible] लिए जा रहे हैं। जिसके तहत 30 सितंबर को देश के सांसदों की एक बैठक बुलाई जाएगी। जिसमें उनकी रॉय ली जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति की देश को बहुत जरूरत है। इसलिए इस पर पुरा ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय यूनिवर्सिटीज के उपकुलपतियों के साथ 6 अक्तूबर को एक विशेष बैठक बुलाई गई है जिसमें शिक्षा के स्तर को और भी ऊंचा उठाने के लिए विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा, तकनीकी शिक्षा तथा हर तरह की शिक्षा में बेहतर सुधार लाने के लिए हर संभव प्रयत्न कर रही है।

पाकिस्तान सीधा युद्ध नहीं कर सकता

प्रकाश जावडेकर से जब पूछा गया कि पाकिस्तान द्वारा अपने शहरों में हवाई अभ्यास किया जा रहा है। क्या इसे भारत में हमले की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है तो जावड़ेकर ने जवाब दिया कि पाकिस्तान भारत के साथ कभी भी सीधे युद्ध नहीं चाहता है। इसलिए तो पाकिस्तान कश्मीर में प्रोक्सी वार चला रहा है। उनसे पूछा गया कि जब आप सरकार से बाहर थे तो पाकिस्तान को सबक सिखाने के जोशिले भाषण देते थे। उन्होंने कहा कि सरकार काम कर रही है। सैना प्लानिंग में जुटी है। जल्द ही परिणाम सामने आएगें।

प्रधानमंत्री वजीफा योजना की शुरु

उन्होंने कहा कि आईसर के स्टूडेंट्स के लिए प्रधानमंत्री वजीफा योजना की पहली बार शुरुआत की गई है। उन्होंने बताया कि आईसर के 38 सौ विद्याथयों का चयन इस प्रधानमंत्री वजीफे के लिए हो चुका है जिनमें 1800 विद्यार्थी जेएंडके से संबंधित है। इस वजीफे में सवा दो लाख रुपए विद्यार्थी की फीस तथा एक लाख रुपए उनके हॉस्टल खर्चे दिया जाएगा। अन्य बड़े संस्थानों में यह योजना पहले से चल रही है।

देश में युवा टेलेंट की भरमार

जावडेकर ने एक सवाल के जवाब में कहा कि देश की सही तरक्की नकल करने से नहीं बल्कि शोध एवं अनुसंधान से होती है। हमारे देश में बहुत टेलेंट है तथा विद्यार्थी प्रतिदिन नए-नए आइडियाज दे रहे है। हमारे टेलेंट की विदेशों में भी काफी डिमांड है। युवाओं में ऐसा माहौल बनाया जा रहा है ताकि वह शिक्षा के अतिरिक्त नकल जैसी कुरितयों की और न जाए। पधानमंदत्री रिसर्च एंड इनोवेशन पर ही अधिक ध्यान दे रही है।